कक्षा-2 के लिए अपठित गद्यांश

गुड़िया की कहानी

एक छोटे से गाँव में एक प्यारी सी गुड़िया रहती थी। उसका नाम निक्की था। निक्की ने अपनी माँ से सुना था कि गुड़िया केवल खिलौने नहीं होती, वे हमारी दोस्त होती हैं। इसीलिए, उसने अपनी गुड़िया के साथ हर दिन नई-नई कहानियाँ बनाई।

एक दिन, निक्की की गुड़िया को खेलने के दौरान एक खास अनुभव हुआ। वे अपनी बगीचे में खेल रही थी तभी अचानक उसे एक चमकदार पत्थर मिला। यह पत्थर बड़ा ही अनोखा था। उसमें से हल्की लाइट निकल रही थी और उसका रंग बदल रहा था। निक्की ने उसे अपनी गुड़िया के पास लाकर रखा।

उसी शाम, जब निक्की सोने के लिए बिस्तर पर लेटी, उसने देखा कि गुड़िया चमकने लगी। उसने ध्यान से देखा, और तब उसे पता चला कि उसकी गुड़िया सचमुच जीवित हो गई थी! गुड़िया ने उसे कहा, "मैं तुम्हारी गुड़िया हूँ, लेकिन मैं एक जादुई गुड़िया हूँ। मैंने तुम्हारी दया और प्यार को महसूस किया है। अब मैं तुम्हारी इच्छाएं पूरी कर सकती हूँ।"

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. गुड़िया का नाम क्या था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. निक्की की गुड़िया को खेलने के दौरान क्या अनुभव हुआ?

उत्तर _____

_____

प्र०3. गुड़िया ने निक्की से क्या कहा?

उत्तर _____

_____

प्र०4. निक्की ने अपनी माँ से क्या सुना था?

उत्तर _____

_____